

**«Ο πιστός φίλος» του Όσκαρ Ουάιλντ, σελ. 174**

| Στοιχεία του κειμένου                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          | Στοιχεία του κειμένου                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               | Στοιχεία του κειμένου                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p><b>Υπόθεση του κειμένου:</b> Ο μικρούλης Χανς νιώθει ευτυχισμένος φροντίζοντας τον κήπο του και έχοντας ως καλύτερο φίλο του έναν πλούσιο μυλωνά. Ο μυλωνάς όμως εκμεταλλεύεται τον αφελή Χανς, που τον υποχρεώνει να του κάνει διάφορες δουλειές και ο ίδιος δεν του προσφέρει τίποτα παρά μόνο θεωρίες για τη φιλία. Ένα βράδυ με κακοκαιρία, ο μυλωνάς στέλνει τον Χανς χωρίς φανάρι να ειδοποιήσει το γιατρό, γιατί το παιδί του αρρώστησε και ο Χανς στο γυρισμό πνίγηκε. Στην κηδεία ο μυλωνάς έμεινε τελείως ασυγκίνητος, αν και ήταν ο ίδιος υπεύθυνος για το τραγικό ατύχημα.</p> <p><b>Ενότητες του κειμένου:</b></p> <p><b>Ενότ. 1<sup>η</sup></b> («Ο μικρούλης Χανς...είναι ολοφάνερο»): Ο καλός Χανς και ο υποκριτής μυλωνάς.</p> <p><b>Ενότ. 2<sup>η</sup></b> («Νωρίς το άλλο...πολύ καλός μαθητής»): Η εκμετάλλευση του Χανς από τον πλούσιο μυλωνά.</p> <p><b>Ενότ. 3<sup>η</sup></b> («Ένα βράδυ...το τίμημα της γενναιοδωρίας»): Ο θάνατος του Χανς και η αχαριστία</p> | <p><b>Λογοτεχνικό είδος:</b> Είναι απόσπασμα του διηγήματος «Ο πιστός φίλος».</p> <p><b>Χαρακτήρες:</b></p> <p><b>Ο μικρούλης Χανς:</b> Είναι ένας καλός και αγαθός φτωχός αγρότης που προσφέρει γενναιοδωρα στο φίλο του χωρίς ανταλλάγματα. Θαυμάζει τον φίλο του για τις θεωρίες του και χαίρεται να τον βοηθάει, χωρίς να καταλαβαίνει ότι εκείνος τον εκμεταλλεύεται. Είναι τρυφερός και ευαίσθητος και εκπροσωπεί την ομορφιά και το καλό.</p> <p><b>Ο πλούσιος μυλωνάς:</b> Ξέρει μόνο θεωρίες για τη φιλία και όχι πράξεις. Είναι συμφεροντολόγος και άπληστος, γιατί παίρνει ό,τι μπορεί από τον φίλο του χωρίς να δίνει τίποτα. Συμβουλεύει και το παιδί του να είναι απάνθρωπο. Ένα φανάρι αξίζει γι' αυτόν περισσότερο από την ανθρώπινη ζωή και εξαιτίας του πεθαίνει ο μικρούλης Χανς, για τον οποίο δεν αισθάνθηκε κανένα πόνο και ενοχή για τη συμπεριφορά του. Παραδέχεται ότι το καρότσι που θα του έδινε του είναι άχρηστο. Είναι η προσωποποίηση του κακού.</p> | <p>παλιότερη εποχή είναι το επάγγελμα του μυλωνά, το φανάρι, το άλογο ως μεταφορικό μέσο. Προφανώς ο χρόνος είναι ο τυπικός των παραμυθιών, το αόριστο «τα πολύ παλιά χρόνια».</p> <p><b>Τεχνικές αφήγησης:</b></p> <p><b>α) Αφήγηση:</b> Παραθέτει τα γεγονότα της ιστορίας.</p> <p><b>β) Διάλογος:</b> Φαίνονται καλύτερα οι προσωπικότητες.</p> <p><b>γ) Περιγραφή:</b> Παρουσιάζεται ο πλούτος του μυλωνά, η δύσκολη ζωή του Χανς, η νυχτερινή καταιγίδα.</p> <p><b>δ) Μονόλογος:</b> Όταν μιλούν μόνοι τους οι ήρωες (π.χ. «Τι όμορφα που θα τα περάσω στον κήπο μου» κ.ά.).</p> <p><b>ε) Σχόλια του αφηγητή:</b> Μια φράση που επαναλαμβάνεται συνέχεια και δείχνει τη συμπάθεια του αφηγητή είναι «ο καημένος μικρούλης Χανς».</p> <p><b>Γλώσσα:</b> Είναι απλή, και έχει λίγα εκφραστικά μέσα, όπως άλλωστε συνηθίζεται στα παραμύθια.</p> <p><b>Ύφος:</b> Είναι απλό, άμεσο και ειρωνικό στα σημεία που ο μυλωνάς διατυπώνει τις</p> |

|                                                                                                                                                                                                                                                                             |                                                                                                                                                                                                                                                                                     |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <p>του μυλωνά.</p> <p><b>Πρόσωπα του κειμένου:</b><br/>Βασικά πρόσωπα είναι ο Χανς και ο μυλωνάς, ενώ δευτερεύοντα είναι η γυναίκα και ο γιος του μυλωνά, ο γιατρός και ο σιδεράς.</p> <p><b>Τίτλος:</b> Εκφράζει τον Χανς και είναι ειρωνικός για τη στάση του μυλωνά.</p> | <p><b>Ποιοι μιλούν στην αφήγηση:</b></p> <p>Ακούγονται ο αφηγητής, ο μυλωνάς, ο Χανς, η γυναίκα και το παιδί του μυλωνά, του γιατρού και του σιδερά.</p> <p><b>Χρόνος-Τόπος:</b> Είναι απροσδιόριστα, γιατί πρόθεση του συγγραφέα είναι να παρουσιάσει το κείμενο σαν παραμύθι.</p> | <p>θεωρίες του για τη φιλία ή εκεί όπου ο αφηγητής σχολιάζει έμμεσα τη συμπεριφορά του («Κι αλήθεια τόσο αφοσιωμένος ήταν ο πλούσιος μυλωνάς...αν ήταν η εποχή τους»)</p> <p><b>Τελικό συμπέρασμα:</b> Η αληθινή φιλία εκφράζεται με κατανόηση, υποστήριξη και αγάπη, χωρίς συμφέροντα, είναι αμφίδρομη και έμπρακτη στη ζωή των ανθρώπων.</p> |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|